जेएनवीयू में बनी थियेटर सेल, प्रतिभाशाली छात्रों को मिलेगा मंच

• डॉ. हितेंद्र गोयल बने सेल के समन्वयक

एजुकेशन रिपोर्टर | जोधपुर

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय अब उन स्टूडेंट्स को मंच प्रदान करने वाला है जो रंगमंच या नाटक में रूचि रखते हैं। विवि प्रशासन की ओर से स्टूडेंट्स के लिए एक थियेटर सेल का गठन किया है। जहां पर स्टूडेंट्स की रंगमंच की प्रतिभा को निखार कर तराशा जाएगा ताकि स्टूडेंट्स अपनी नैसर्गिक प्रतिभा को स्टडी से अतिरिक्त भी निखार सकें। थियेटर सेल में स्टूडेंट्स को नाटक लेखन, अभियन, प्रदर्शन, विभिन्न भाषाओं के कोर्स में आए हुए एकांकी और अंशों का प्रदर्शन का रचनात्मक व व्यवहारिक ज्ञान दिया जाएगा। देश की रंगमंच संस्थाओं से जुड़कर विश्वविद्यालय में नाट्य विधा का संवर्धन करना और अकादमिक गोष्ठियों,सेमिनारों और व्याख्यानों का आयोजन करना प्रमुख लक्ष्य रहेगा। अंग्रेजी विभाग के सहायक आचार्य, रंगकर्मी और वक्ता डॉ. हितेंद्र गोयल को सेल का समन्वयक बनाया गया है। गोयल कई वर्षों से रंगकर्म के क्षेत्र में सक्रिय हैं और 50 से अधिक नाटकों में बतौर अभिनेता, दो लघु नाटकों का निर्देशन और अमेरिकन राइटर एडवर्ट ऑल्बी के नाटक "जू स्टोरी' को हिंदी में अनुदित किया है।

JNVU UPDATES के लिए APNA_JNVU को Follow करे

जेएनवीयू में कामायनी का अभूतपूर्व मंचन

जोधपुर। जब तक मानव स्वत्व की भावना से ऊपर उठकर परहित के संदर्भ में नहीं सोचेगा, तब तक आत्मस्थिति को प्राप्त नहीं कर सकता। सच्चिदानंद की प्राप्ति अपनी व्यक्तिगत सत्ता को विश्व सत्ता में डुबोने से है। इसी मूल मंत्र को रेखांकित करता हुआ कामायनी का रंगमंचीय प्रदर्शन थिएटर सेल और मयूर नाट्य संस्था के संयुक्त तत्वावधान में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के बृहस्पति सभागार में हुआ।

मनु की जीवन यात्रा और मनु के भावों को प्रतीकात्मक रूप से प्रस्तुत करता हुआ नाटक कामायनी डॉ एसपी रंगा के निर्देशन में अभिनय की ऊंचाइयों को छूता हुआ दिखाई दिया। मनु के रूप में अंग्रेजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. हितेंद्र गोयल भाव को प्रदर्शित करने, संवादों के साथ न्याय करने और अपने अभिनय कौशल से उपस्थित दर्शकों के दिल तक पहुंचने में कामयाब रहे। श्रद्धा का किरदार निभाने वाली डॉ. नीतू परिहार, इड़ा के किरदार में नेहा रांकावत, लज्जा के किरदार में निर्मला राव और आकुली व किलात के किरदार में रमेश बोहरा और एमएस जई ने अपने अभिनय से एवं बेहतरीन टाइमिंग के साथ कामायनी के कथानक को मंचन के माध्यम से अभूतपूर्व तरीके से प्रस्तुत किया। मंच सज्जा एवं रंग दीपन द्वारा रमेश नामदेव भाटी और कैलाश गहलोत ने शानदार तरीके से अकादमिक भवन को नाट्य भवन में तब्दील कर दिया। दर्शकों के रूप में विश्वविद्यालय शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से भरे सभागार में रमेश बोहरा द्वारा नाट्यांतरित कामायनी का प्रदर्शन विश्वविद्यालय में नवगठित थिएटर सेल का प्रथम प्रयास था। मुख्य अतिथि के रुप में कुलपति प्रो. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी ने अभिनयकर्ताओं की प्रशंसा की और विश्वविद्यालय प्रांगण में ऐसे ही प्रदर्शनों के लगातार मंचित होने की भी मंशा अभिव्यक्त की। प्रो. त्रिवेदी ने कहा कि जयशंकर प्रसाद रचित कामायनी को इस तरीके से मंचित होते देखना उनके लिए एक अविस्मरणीय पल है।

निर्देशक डॉ. एसपी रंगा ने प्रो. त्रिवेदी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिवादन किया। इस दौरान सिंडिकेट सदस्य केआर गेंनवा, शिक्षक संघ के सचिव डॉ हेमसिंह गहलोत, प्रो. कैलाश डागा, प्रो.प्रवीण गहलोत, डॉ. रेनू शर्मा, प्रो. एसके मीणा, डॉ. हरिदास व्यास, विश्वविद्यालय के पूर्व वित्त नियंत्रक दशरथ कुमार सोलंकी, रमेश नामदेव भाटी, हरीश देवनानी, प्रो. महिपाल सिंह राठौड़, डॉ प्रेम सिंह राजपुरोहित, डॉ.भगवान सिंह इड़वा, डॉ. सुरेश चौधरी, डॉ. आरडी. पंकज, डॉ प्रवीणचंद्र आदि उपस्थित थे।

जेएनवीयू में 'कामायनी' का अभूतपूर्व मंचन

सभी किरदारों के बेहतरीन अभिनय से जीवंत हो उठा नाटक

जोधपुर एक्सप्रेस न्यूज

जोधपुर। जब तक मानव स्वत्व की भावना से ऊपर उठकर परहित के संदर्भ में सोचेगा नहीं ,तब तक आत्मस्थिति को प्राप्त नहीं कर सकता। सच्चिदानंद की प्राप्ति अपनी व्यक्तिगत सत्ता को विश्व सत्ता में डुबोने से है। इसी मूल मंत्र को रेखांकित करता हुआ कामायनी का रंगमंचीय प्रदर्शन थिएटर सेल' और मयूर नाट्य संस्था के संयुक्त तत्वावधान में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के बृहस्पति सभागार में किया गया। डॉ एस. पी. रंगा के निर्देशन में प्रस्तुत नाटक कामायनी में मनु के रूप में अंग्रेजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ.हितेंद्र गोयल भाव को प्रदर्शित करने, संवादों के साथ न्याय करने और अपने अभिनय कौशल से उपस्थित दर्शकों के दिल तक पहुंचने में कामयाब रहे। श्रद्धा का किरदार निभाने वाली डॉ.नीतू परिहार, इड़ा के किरदार में नेहा रांकावत, लज्जा के किरदार में निर्मला राव और आकुली व किलात के किरदार में रमेश बोहरा और एमएस ज़ई ने अपने अभिनय से एवं बेहतरीन टाइमिंग के साथ कामायनी के कथानक को मंचन के माध्यम से अभूतपूर्व तरीके से प्रस्तुत किया। सभागार में मंचन की बेहतरीन व्यवस्थाएं ना होने के बावजूद भी मंच सज्जा एवं रंग दीपन द्वारा रमेश नामदेव भाटी और कैलाश गहलोत ने शानदार तरीके से एक अकादमिक भवन को नाट्य भवन में तब्दील कर दिया। दर्शकों के रूप में विश्वविद्यालय शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से भरे सभागार में रमेश बोहरा द्वारा नाट्यांतरित 'कामायनी' का प्रदर्शन विश्वविद्यालय में नवगठित थिएटर सेल का प्रथम प्रयास था । मुख्य अतिथि के रुप में कुलपति प्रो. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी ने मंचन से गदगद हो सभी अभिनयकर्ताओं की भूरी भूरी प्रशंसा करी और विश्वविद्यालय प्रांगण में ऐसे ही प्रदर्शनों के लगातार मंचित होने की भी मंशा अभिव्यक्त की । प्रो.त्रिवेदी ने बताया कि जयशंकर प्रसाद रचित कामायनी को इस तरीके से मंचित होना देखना उनके लिए एक अविस्मरणीय पल है । नाटक से पूर्व थिएटर सेल के समन्वयक डॉ. हितेंद्र गोयल ने मुख्य अतिथि प्रो. त्रिवेदी के साथ साथ पधारे हुए समस्त विश्व विद्यालय शिक्षकों का स्वागत किया । निर्देशक डॉ. एस. पी. रंगा ने प्रो.त्रिवेदी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिवादन किया। अपने स्वागत उद्बोधन में डॉ. हितेंद्र गोयल ने कुलपति को यह विश्वास दिलाया कि उनके प्रयासों से नवगठित थिएटर सेल आने वाले समय में न सिर्फ नाट्य प्रदर्शन बल्कि नाट्य कार्यशालाओं के साथ-साथ नाट्य लेखन, नाट्य पठन एवं अभिनय की छोटी-छोटी बारीकियों पर कार्य करते हुए छात्रों में छुपे अभिनय कौशल को निखारने का प्रयास करेगा।

दर्शकों में सिंडिकेट सदस्य के.आर.गेंनवा , शिक्षक संघ सचिव डॉ हेम सिंह गहलोत , प्रो.कैलाश डागा, प्रो.प्रवीण गहलोत , डॉ.रेनू शर्मा ,प्रो. एस.के.मीणा, डॉ. हरिदास व्यास , विश्वविद्यालय के पूर्व वित्त नियंत्रक दशरथ कुमार सोलंकी, रमेश नामदेव भाटी ,हरीश देवनानी, प्रो.महिपाल सिंह राठौड़ ,डॉ प्रेम सिंह राजपुरोहित ,डॉ.भगवान सिंह इड़वा, डॉ. सुरेश चौधरी, डॉ. आर. डी. पंकज, डॉ प्रवीण चंद्र के साथ-साथ हिंदी, अंग्रेजी, राजस्थानी, संस्कृत और उर्दू विभाग के आचार्यों के अलावा बहुत सारे रंगप्रेमियों ने इस मंचन का आनंद उठाया और अभिनेताओं का मनोबल भी बढ़ाया।

मंच पर साकार हुई प्रसाद की कामायनी

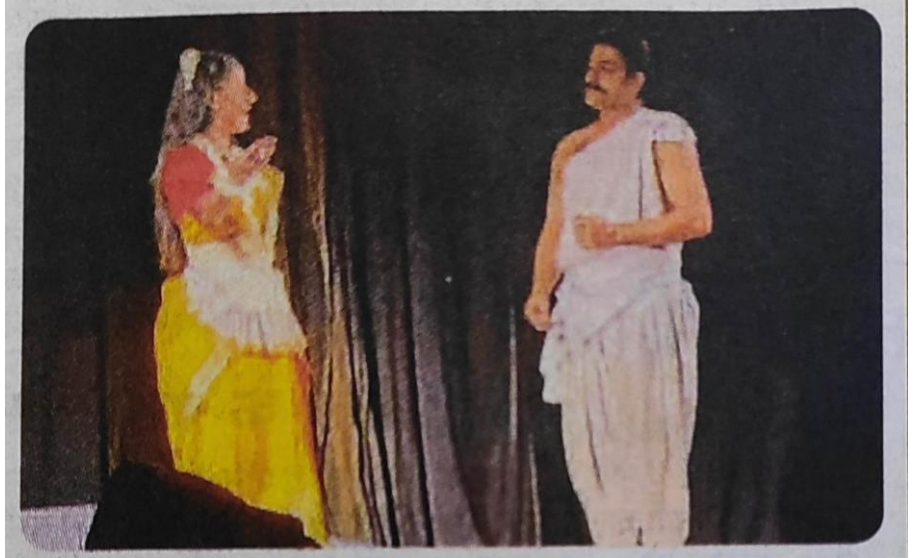

जोधपुर @ पत्रिका. महाकवि जयशंकर प्रसाद के मनोवैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक पृष्ठ भूमि रचित महाकाव्य कामायनी का नाट्य मंचन मंगलवार शाम टाउन हॉल में किया गया। संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली की वित्तीय योजनातर्गत मयूर नाट्य संस्था के बैनर तले डॉ एसपी रंगा के निर्देशन में मंचित नाटक में विश्व समरसता का संदेश दिया गया। मयूर नाट्य संस्था के सचिव सईद खान ने बताया कि रमेश बोहरा की ओर से नाट्यांतरित एवं डा सुरेश प्रसाद रंगा की ओर से अनुशोधित नाटक स्त्री पात्र पर केन्द्रित रहा। नाटक में श्रद्धा की भूमिका को डॉ नीतू परिहार ने और मनु का चरित्र डॉ. हितेन्द्र गोयल ने बखूबी निभाया। नाटक में मजाहिर सुलतान जई, रमेश बोहरा, नेहा रांकावत, आराध्या परिहार दीपेश परिहार ने अलग पात्रों की भूमिका का निर्वहन किया।

मयूर नाट्य संस्था, जोधपुर

प्रस्तुत करता है

जय शंकर प्रसाद की कालजयी रचना

"कामायनी"

डॉ.एस. पी. रंगा द्वारा निर्देशित एवं

रमेश बोहरा द्वारा नाट्यांतरित

रंगमंचीय प्रस्तुतीकरण

मंच पर

डॉ. हितेन्द्र - मनु

रमेश बोहरा- आकुली

डॉ. नीतू- श्रद्धा

नेहा - इड़ा

एम. एस. ज़ई- किलात

5 अक्टूबर, 2021, मंगलवार 7.00 pm

स्थान: जय नारायण व्यास स्मृति भवन (Town Hall)

निवेदक : सईद खान (सचिव)

मयूर नाट्य संस्थान, जोधपुर
और
थियेटर सेल, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर
प्रस्तुत करते हैं
जय शंकर प्रसाद की कालजयी रचना
"कामायनी"
रंगमंचीय प्रस्तुतीकरण
प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी
आदरणीय कुलपति और
मुख्य अतिथि
4 अक्टूबर, 2021, सोमवार
सायं 5.45pm
"कामायनी"
नाट्य रुपांतरण : रमेश बोहरा
मंच पर मुख्य पात्र
4th Oct., 2021
Time : 5.45pm
Place : Brihaspati Bhawan, JNV University

डॉ. गोयल बने थिएटर सेल के समन्वयक

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.प्रवीण चंद्र त्रिवेदी के प्रयासों , मार्गदर्शन और सकारात्मक सहयोग से विश्वविद्यालय में खुला 'थिएटर सेल'। अंग्रेजी विभाग के सहायक आचार्य, रंगकर्मी और प्रेरक वक्ता डॉ हितेंद्र गोयल को बनाया गया सेल का समन्वयक। गौरतलब है कि डॉ. गोयल पिछले कई वर्षों से रंगकर्म के क्षेत्र में सक्रिय है। आपने 50 से अधिक नाटकों में बतौर अभिनेता , दो लघु नाटकों का निर्देशन और अमेरिकन राइटर एडवर्ट ऑल्बी के नाटक 'जू स्टोरी' को हिंदी में अनुदित किया है। डॉ.गोयल व्यास विश्वविद्यालय के छात्र सेवा मंडल में सह- समन्वयक के पद पर रहते हुए विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक दलों को पश्चिमी और राष्ट्रीय युवा महोत्सव में मार्गदर्शित करते आए हैं। यह सेल विश्वविद्यालय में नवाचार के रूप में है । नवगठित इस प्रकोष्ठ का कार्य अभिनेताओं, नाट्य लेखकों, वार्ताकारों से विशद चर्चा के साथ-साथ नाट्य लेखन, नाट्य प्रदर्शन और विभिन्न भाषाओं के कोर्स में आए हुई एकांकियों और नाटकों के कुछ अंशों के प्रदर्शन के साथ रचनात्मक और व्यवहारिक रुप से विद्यार्थियों को जोड़ना है ।

JAI NARAIN VYAS UNIVERSITY, JODHPUR
(DEVELOPMENT SECTION)

No.: JNVU/Dev/2021/2738 Date: 30.7.2021

OFFICE – ORDER

The Vice-Chancellor has been pleased to appoint Dr. Hitendra Goyal, Assistant Professor, Department of English as Convener, Theatre Cell with immediate effect till further orders in addition to his own duties.

REGISTRAR

Copy to the following for information and necessary action:-

1. All the Deans / Directors of Faculty / Institutes, J.N. Vyas University, Jodhpur.
2. All the Heads of Departments, J.N. Vyas University, Jodhpur.
3. Dr. Hitendra Goyal, Assistant Professor, Deptt. of English, J.N. Vyas University, Jodhpur.
4. The Comptroller/PRO/UE, J.N. Vyas University, Jodhpur.
5. The P.S. to Vice-Chancellor/P.A. to Registrar, J.N. Vyas University Jodhpur.

OFFICER-IN-CHARGE